भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (का.हि.वि.), वाराणसी ।

हिन्दी पखवाड़ा (सितंबर 16-30, 2024)

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 16.09.2024 से दिनांक 30.09.2024 तक किया गया । हिन्दी पखवाड़ा के दौरान निम्नलिखित आयोजन किये गए-

1. **हिन्दी पखवाड़ा का उद~घाटन:-**

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देशों का अनुपालन करते हुए इस वर्ष देश के सभी कार्यालयों के हिन्दी पखवाड़ा/दिवस का शुभारंभ माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में भारत मंडपम, नई दिल्ली से हुआ । शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देश पर संस्थान से उप कुलसचिव (राजभाषा) एवं हिन्दी अनुवादक उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित हुए । अन्य प्रतियोगिताएं, कार्यक्रम एवं मुख्य समारोह अपने-अपने संस्थान में आयोजित किए जाने थे । जिसके अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताएं/कार्यक्रम आयोजित किये गए ।

2. **हिन्दी पुस्तकों की प्रदर्शनी:-**

दिनांक 17.09.2024 को संस्थान के श्रीनिवास देशपांडे ग्रंथालय में हिन्दी पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । उक्त प्रदर्शनी संस्थान के छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी साबित हुई ।

3. **हिन्दी टिप्पण लेखन, पत्राचार एवं शब्द-ज्ञान प्रतियोगिता:-**

दिनांक 18.09.2024 को हिन्दी टिप्पण लेखन, पत्राचार एवं शब्द-ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन एनी बेसेंट व्याख्यान कक्ष संकुल में किया गया, जिसमें संस्थान के कुल 17 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने प्रतिभाग किए ।

4. **<u>हिन्दी निबंध, कथा साहित्य, व्यंग्य लेखन प्रतियोगिता : -</u>**

संस्थान में **दिनांक 17.09.2024 से दिनांक 22.09.2024 के मध्य** ऑनलाइन माध्यम से हिन्दी निबंध, कथा एवं व्यंग्य लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन क्रमशः दो वर्गों में किया गया- विद्यार्थी वर्ग एवं शिक्षक/गैर-शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग । हिन्दी कहानी, व्यंग्य लेखन कथा प्रतियोगिता संबंधी लेख स्वरचित एवं किसी भी विषय पर आमंत्रित किये गए थे ।

5. **<u>यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता:-</u>**

दिनांक 19.09.2024 को संस्थान के प्रथम वर्ष संगणक प्रयोगशाला, यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग में यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसमें कुल 19 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने प्रतिभाग किए ।

कृ.पृ.उ.

6. **<u>हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता:-</u>**

दिनांक 23.09.2024 को संस्थान के टीएलसी भवन में हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षक/गैर-शैक्षणिक कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को मिलाकर कुल 19 लोग सम्मिलित हुए । कर्मचारी वर्ग के लिए हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था- “सदन की राय में, समाचार चैनलों में वाद-विवाद का बढ़ता प्रचलन सामाजिक समरसता के लिए अत्यंत हितकारी है ।” वहीं छात्र वर्ग के लिए “सदन की राय में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का अधिकाधिक प्रयोग मानवीय सभ्यता के विकास में अत्यंत उपयोगी है ।”

7. **<u>हिन्दी काव्य गोष्ठी का आयोजन: -</u>**

दिनांक 27.09.2024 को हिन्दी काव्य संध्या का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि कवि के रूप में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कुलवक्क्ती कवि श्री ज्ञानेंद्रपति जी थे । काव्य संध्या का उद~घाटन संचालन श्री

शशांक पाठक ने तथा उसके बाद का संचालन कार्य आचार्य संजय कुमार पांडेय, अध्यक्ष, हिन्दी पखवाड़ा समिति ने किया। कार्यक्रम संस्थान के निदेशक महोदय की गरिमामयी अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। डॉ. अनीता मोहन, विनीता द्विवेदी, आचार्य संजय कुमार पांडेय, आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, आचार्य संजय कुमार शर्मा, सहायक आचार्य अनूप सिंह, केशवी सिंह, आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी, संस्थान के विभागों के अध्यापकगण तथा श्री शशांक पाठक, हिन्दी अनुवादक इत्यादि ने अपने-अपने स्वरचित काव्य रचनाएं प्रस्तुत किए। इस अवसर पर निदेशक महोदय के मधुर गीतों से सभागार गुंजित हुआ। श्री ज्ञानेंद्रपति जी ने अपनी कई कविताएं सुनाई तथा अपनी नवसृजित कविता “एक टुकड़ा ईश्वर” का पहला काव्य पाठ इस सभागार में संस्थान परिवार के समक्ष प्रस्तुत किया।

8. <u>मुख्य समारोह:-</u>

दिनांक 30.09.2024 को संस्थान में मुख्य समारोह का आयोजन विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग के सम्मेलन कक्ष में निदेशक आचार्य अमित पात्रा जी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वक्त्री डॉ. नीरजा माधव, भूतपूर्व अधिकारी, आकाशवाणी एवं प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार थी। कार्यक्रम का आयोजन पं0 मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रदीपन के साथ हुआ। आचार्य संजय कुमार पांडेय, गणितीय विज्ञान विभाग एवं अध्यक्ष, हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों एवं सहभागियों का स्वागत किया। आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, सदस्य, हिन्दी पखवाड़ा समिति ने हिन्दी दिवस के अवसर पर जारी माननीय शिक्षा मंत्री जी के संदेश का पठन किया।

संस्थान के कुलसचिव महोदय ने हिन्दी पखवाड़ा की अवधि में आयोजित कार्यक्रमों एवं राजभाषा द्वारा किए गए कार्यों की आख्या प्रस्तुत की। मुख्य समारोह का संचालन उप कुलसचिव (राजभाषा) मेजर निशा बलोरिया (सेवानिवृत्त) द्वारा किया गया।

कृ.पृ.उ.

पुरस्कार वितरण

कार्यक्रम के अध्यक्ष निदेशक महोदय ने दिनांक 16.09.2024 से दिनांक 30.09.2024 के मध्य आयोजित सभी प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय निम्नलिखित विजेता कर्मचारियों को पुरस्कृत किया :

क)हिन्दी टिप्पण लेखन, पत्राचार एवं कार्यालयी शब्द-ज्ञान प्रतियोगिता -

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री विकास प्रजापति, वरिष्ठ सहायक	व्यापार विपत्र अनुभाग	प्रथम
2.	श्री अजीत कुमार यादव, वरिष्ठ सहायक	वैयक्तिक सहायक कार्यालय	द्वितीय
3.	श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ सहायक	निदेशक के निजी सचिव कार्यालय	तृतीय

ख) यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता –

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री शशांक सौरभ, कनिष्ठ सहायक	पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	प्रथम
2.	श्री यमन जायसवाल, कनिष्ठ सहायक	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग	द्वितीय
3.	श्री तेज बहादुर यादव, वरिष्ठ सहायक	सामान्य प्रशासन	तृतीय

ग) हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता -

कर्मचारी वर्ग (पक्ष)

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री रीतेश रंजन सिन्हा, सहायक सुरक्षाधिकारी	आरक्षाधिकारी कार्यालय	प्रथम
2.	श्री अभिनव पाण्डेय	सेवा पु0 अनुभाग	द्वितीय
3.	श्री सिमरन अखौरी	स्थापना अनुभाग	तृतीय

कर्मचारी वर्ग (विपक्ष)

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री राजेश कुमार, कनिष्ठ तकनीशियन	वास्तुकला एवं योजना	प्रथम
2.	श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव	निदेशक के निजी सचिव	द्वितीय

3.	श्री नफीस अख्तर	कटौती अनुभाग	तृतीय

छात्र वर्ग (पक्ष)

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री अंशवीर सिंह भाटिया, बी.आर्क	वास्तुकला योजना एवं अभिकल्प विभाग	प्रथम
2.	श्री अच्युत राकेश, आई.डी.डी.	संगणक अभियांत्रिकी विभाग	द्वितीय

छात्र वर्ग (विपक्ष)

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री शिवांश गुप्ता, आई.डी.डी.	विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	प्रथम
2.	श्री मनोहर कुमार, शोध छात्र	मानवतावादी अध्ययन विभाग	तृतीय
3.	श्री स्पर्श जैन, बी.टेक.	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग	तृतीय

कृ.पृ.उ.

घ) हिन्दी निबंध, कथा साहित्य एवं व्यंग्य लेखन प्रतियोगिता

हिन्दी निबंध- (कर्मचारी वर्ग)

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	सुश्री सिमरन अखौरी, कनिष्ठ सहायक	स्थापना अनुभाग	प्रथम
2.	श्री अंकित जैन, वरिष्ठ सहायक	पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकि स्कूल	द्वितीय
3.	श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव	निदेशक के निजी सचिव अनुभाग	तृतीय

हिन्दी निबंध- (छात्र वर्ग)

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री योगेश कुमार विश्वकर्मा, शोध छात्र	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग	प्रथम
2.	श्री आयुष राज, आईडीडी	जैव चिकित्सा एवं अभियांत्रिकी स्कूल	द्वितीय
3.	श्री आकाश कुमार श्रीवास्तव, शोध छात्र	मानवतावादी अध्ययन विभाग	द्वितीय

हिन्दी व्यंग्य लेखन- (छात्र वर्ग)

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री योगेश कुमार विश्वकर्मा, शोध छात्र	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग	प्रथम
2.	सुश्री मानवी पाण्डेय, शोध छात्रा	मानवतावादी अध्ययन विभाग	द्वितीय
3.	श्री आकाश कुमार श्रीवास्तव, शोध छात्र	मानवतावादी अध्ययन विभाग	तृतीय

हिन्दी व्यंग्य- (कर्मचारी वर्ग)

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री रीतेश रंजन सिन्हा	आरक्षाधिकारी कार्यालय	प्रथम
2.	श्री राजीव रंजन, वरिष्ठ अधीक्षक	सिरामिक अभियांत्रिकी विभाग	द्वितीय
3.	सुश्री सिमरन अखौरी	स्थापना अनुभाग	तृतीय

ङ) हिन्दी लघु कथा –

छात्र वर्ग

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	सुश्री मानवी पाण्डेय, शोध छात्रा	मानवतावादी अध्ययन विभाग	प्रथम
2.	श्री योगेश कुमार विश्वकर्मा, शोध छात्र	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग	द्वितीय
3.	श्री गुंजित जैन, बीटेक	इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग	तृतीय

कर्मचारी वर्ग

क्रम संख्या	नाम एवं पदनाम	विभाग/अनुभाग	स्थान
1.	श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ सहायक	निदेशक के निजी सचिव अनुभाग	प्रथम
2.	श्री जीशान अहमद, वरिष्ठ सहायक	सिरामिक अभियांत्रिकी विभाग	द्वितीय
3.	श्री संदीप प्रजापति, कनिष्ठ अधीक्षक	निदेशक के निजी सचिव अनुभाग	तृतीय

कृ.पृ.उ.

मुख्य समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित डॉ. नीरजा माधव जी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि हिन्दी भाषा

भारत में मुख्य रूप से सबसे ज्यादा एक संपर्क भाषा के रूप में उभरी है । हमारा देश बहुत लंबे समय से कुछ देशों द्वारा गुलाम बना रहा, जिससे हमारी भाषा में बहुत से अन्य देशों के प्रचलित शब्द समाहित हो गए । हम हिन्दी भाषा का राजभाषा के रूप में 75 वां वर्ष मना रहे हैं । राजभाषा बनने के बाद संविधान में 15 वर्षों तक हिन्दी के साथ अँग्रेजी बने रहने का प्रावधान था, परंतु तत्कालिक सरकार द्वारा उपेक्षित होने के कारण अभी तक अँग्रेजी माध्यम ने अपना वृहत प्रसार बनाया हुआ है । विगत कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मंच एवं देश के भीतर भी हिन्दी के प्रचार प्रसार में बहुत तेजी आई है । अन्य भारतीय भाषाओं के संरक्षण की भी आवश्यकता है ताकि हम अपनी संस्कृति एवं विरासत को बचा कर रख सके ।

कार्यक्रम का समापन संस्थान की उप कुलसचिव (राजभाषा) महोदया जी के धन्यवाद ज्ञापन से सम्पन्न हुआ ।